#CoronaTracker (कोरोना ट्रैकर) से स्व-रिपोर्ट किए गए लक्षण भारत में COVID 19 मामलों में दैनिक वृद्धि की भविष्यवाणी कर सकते हैं?

टीम C-Voter #CoronaTracker (कोरोना ट्रैकर) ने अपने घरेलू (स्वयं सहित) और पड़ोस में सूचित ILI (इन्फ्लुएंजा लाइक इलनेस) लक्षणों के बारे में उत्तरदाताओं से पूछा। इसमें आमतौर पर COVID-19 से जुड़े लक्षण शामिल हैं। यदि वर्तमान रुझान जारी रहता है, तो ट्रैकर का उपयोग भारत में कोरोनोवायरस मामलों में दैनिक वृद्धि की भविष्यवाणी करने के लिए किया जा सकता है।

ILI (आई०एल०आई) लक्षणों के प्रक्षेपवक्र

Q

क्या आपने अपने परिवार के किसी सदस्य (अपने घर के अंदर) या पड़ोसियों में फ्लू जैसे लक्षण, जैसे कि तेज बुखार, सर्दी, सूखी खांसी (जिनलोगों से आप आमतौर पर अपने दैनिक जीवन में मिलते रहते हैं) देखे हैं?

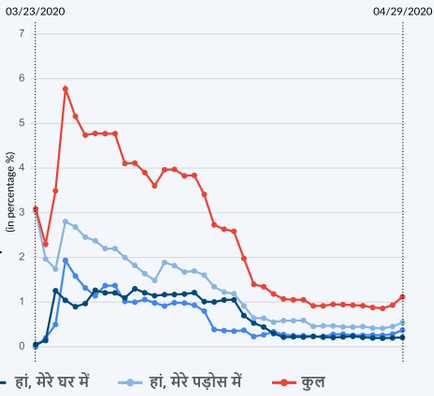

स्वयं-रिपोर्ट किए गए ILI लक्षण क्या दिखाते हैं?

सर्वेक्षण के शुरुआती हफ्तों में, घरों में संक्रमण की रिपोर्ट की तुलना में आत्म-संक्रमण की **रिपोर्ट बहुत अधिक थी।**

यह प्रतिरूप घरों और पड़ोस में **संक्रमण की अधिक रिपोर्ट के साथ** मध्य अप्रैल के बाद उलट है। ILI (आई०एल०आई) और COVID-19 दोनों लक्षण मुख्य रूप से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलते हैं। यह इस कारण से होने की संभावना है कि जिन व्यक्तियों ने सर्वेक्षण के प्रारंभिक हफ्तों में कोई भी **ILI (आई०एल०आई) लक्षण होने की सूचना दी थी, वे अब उन्हें प्रदर्शित नहीं करते हैं** और इसके बजाय इसे अपने घर या पड़ोस में किसी को संक्रमित किया है।

ILI (आई०एल०आई) लक्षणों (आत्म, घरेलू और पड़ोस) की सभी रिपोर्टों में से **उच्चतम अनुपात पड़ोस में लक्षणों की रिपोर्ट है।** हालांकि, अप्रैल के अंत में यह अनुपात लगभग **0.4%** कम हो गया।

14

ये लक्षण यादृच्छिक जनसंख्या में "**स्व-रिपोर्ट किए गए मामलों" के प्रतिनिधि हो सकते हैं। चूंकि लक्षणों की गंभीरता प्रकट होने में कुछ दिन लगते हैं, दैनिक ट्रैकर की जानकारी समय से पहले सकारात्मक मामलों की संख्या दिखा सकती है (जैसा कि सरकार और अस्पतालों द्वारा रिपोर्ट किया गया है।)**

प्रतिदिन रिपोर्ट किए गए कोरोनवायरस के मामले

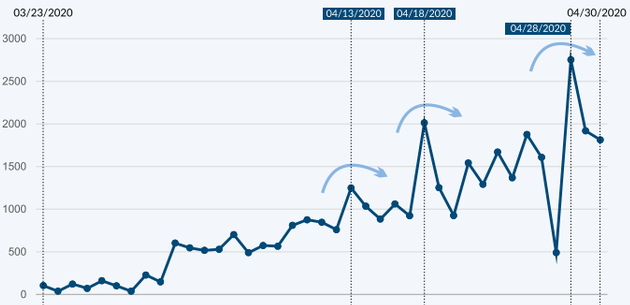

कुल ILI लक्षण रिपोर्ट

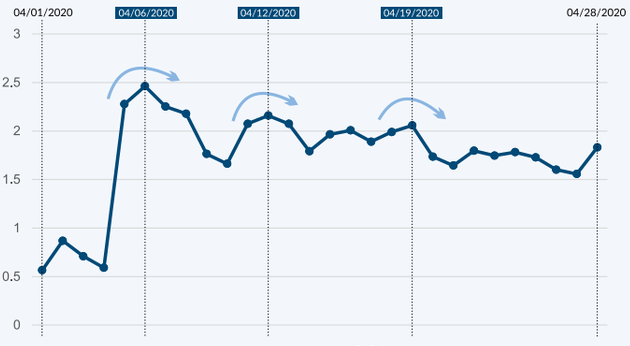

क्या स्व-रिपोर्ट किए गए लक्षण भारत में COVID-19 मामलों में दैनिक वृद्धि की भविष्यवाणी कर सकते हैं?

पिछले महीने के उत्तरदाताओं से भी पूछा गया कि कौन से लक्षण (आमतौर पर COVID 19 से जुड़े), **उन्होंने अपने घर में (अपने आप समेत) और अपने पड़ोस में देखा है।**

1 Week

ट्रैकर में रिपोर्ट किए गए विशिष्ट COVIID-19 लक्षणों और देश में पुष्टि किए गए वास्तविक मामलों की **वास्तविक संख्या में लगभग** एक सप्ताह का अंतर देखा गया।

यह दिखाई देता है कि **दोनों रेखांकन अपने प्रक्षेपवक्र में समान उतार-चढ़ाव** का अनुसरण कर रहे हैं, और यदि वे समानांतर में चलते रहते हैं, तो ट्रैकर डेटा भारत में मामलों की स**ंख्या की भविष्यवाणी करने में उपयोगी** हो सकता है।

वर्तमान सर्वेक्षण के निष्कर्ष और अनुमान 23 मार्च 2020 से 29 अप्रैल 2020 तक 18+ वयस्कों के बीच हर प्रमुख जनसांख्यिकीय सहित टीम C-Voter दैनिक ट्रैकिंग पोल पर आधारित हैं। डेटा को हर राज्य के ज्ञात जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल में शामिल किया जाता है, जिसमें आयु वर्ग, सामाजिक समूह, आय, क्षेत्र, लिंग और शिक्षा स्तर शामिल हैं।

| Social Media Partner
POLSTRAT | polstrat.com
TEAM CVOTER we read the pulse of the nation | teamcvoter.com